

इलायची में घोंघा संक्रमण

स्रोत: द द्रिष्टि

केरल के इडुक्की के इलायची उत्पादक क्षेत्रों में (समर रेन) गर्मी के मौसम के दौरान भारी बारिश के बाद छोटे घोंघों के हमले का खतरा उत्पन्न हो गया है। ये घोंघे नई मंजरी, फूलों और कोमल फलियों को खाते हैं, जिससे फसल को नुकसान, उपज में कमी और गुणवत्ता में गिरावट होती है।

- किसान घोंघे के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिये (अंतिम उपाय के रूप में) मेटलडिहाइड जैसे रासायनिक स्प्रै का उपयोग कर रहे हैं।

इलायची (????????? ????):

- परिचय: इसे "मसालों की रानी" के रूप में जाना जाता है, यह जजिबिरेसी (अदरक) परिवार का एक अत्यधिक सुगंधित मसाला है।
 - यह पश्चिमी घाट के सदाबहार वर्षावनों में प्रमुख रूप से पाई जाती है।
- जलवायु परिस्थितियाँ: इसके लिये 1500-4000 ममी वर्षा, 10°C से 35°C के बीच तापमान और 600-1500 मीटर की ऊँचाई तथा अम्लीय, दोमट, ह्यूमस युक्त मट्टि की आवश्यकता होती है जिसका pH मान 5.0-6.5 हो।
- उत्पादन के प्रमुख केंद्र: केरल भारत के इलायची उत्पादन में 58% का योगदान देता है, जिसमें इडुक्की अग्रणी ज़िला है।
 - कर्नाटक में इसे कोडगु और चकिमंगलूर जैसे ज़िलों में उगाया जाता है।
 - तमिलनाडु में इसकी खेती नीलगिरी पहाड़ियों में की जाती है।
- हाल ही में पहचानी गई इलायची प्रजातियों में ?????????? (पेरियार टाइगर रज़िर्व, इडुक्की) और ?????????? (अगस्त्यमलाई पहाड़ियाँ, त्रिवनंतपुरम और मुन्नार, इडुक्की) शामिल हैं।

भारत में मसाला बाज़ार: भारत ने वित्त वर्ष 2022-23 में 11.14 मिलियन टन मसालों का उत्पादन किया, जिसमें 109 ISO-सूचीबद्ध मसालों में से 75 की खेती की गई।

- मरिच, जीरा, हल्दी, अदरक और धनिया का कुल उत्पादन में 76% हिस्सा था।
- प्रमुख उत्पादक राज्यों में मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और आंध्र प्रदेश शामिल हैं।
- वित्त वर्ष 2023-24 में, भारत ने लगभग 14 लाख टन मसालों का निर्यात किया, जिसमें चीन, बांग्लादेश, पश्चिमी एशिया और अमेरिका जैसे प्रमुख बाज़ारों में मरिच का सबसे अधिक निर्यात (31%) रहा।

और पढ़ें: [भारत के मसाला उद्योग का सुदृढ़ीकरण](#)